Supplement—II Regd. No. CHD/0093/2015–2017

Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 29-2015] CHANDIGARH, TUESDAY, JULY 21, 2015 (ASADHA 30, 1937 SAKA)

General Review

माध्यमिक शिक्षा विभाग, हरियाणा की वर्ष 2010–2011 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

क्रमांक 1/23–2015–आंकड़ा(2)

01 नवम्बर, 1966 को हरियाणा राज्य के अस्तित्व में आने के पश्चात् शिक्षा का तेज़ी से गुणात्मक तथा परिमाणात्मक विस्तार हुआ है। यह विस्तार वर्ष 2010–2011 में भी जारी रहा। राज्य ने शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार में विशेषतः ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। शिक्षा का सार्वभौमिकीकरण तथा विभिन्न स्तरों पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना, रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विभाग की गतिविधियों की प्राथमिकता वाले क्षेत्र थे।

वर्ष 2010–11 में माध्यमिक शिक्षा पर कुल 1866.81 करोड़ रुपए खर्च किए गए। रिपोर्टाधीन अवधि में राज्य में सहायता प्राप्त अराजकीय विद्यालयों को कुल 45.00 करोड़ रुपए की राशि सहायता अनुदान के रूप में दी गई।

रिपोर्टाधीन अवधि में राज्य में शिक्षा प्रदान करने के लिए 3542 उच्च विद्यालय तथा 3441 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अस्तित्व में थे। राज्य में कुल 61781 अध्यापक विभिन्न प्रकार के विद्यालयों में पढ़ा रहे थे और राज्य में उच्च स्तर पर 7.45 लाख तथा वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर 6.82 लाख विद्यार्थी दाखिल थे।

अनुसूचित जातियों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्ग के बच्चों, विशेषकर छात्राओं को निःशुल्क वर्दी, निःशुल्क लेखन सामग्री, निःशुल्क पाठय पुस्तकें, वृतिका तथा छात्रवृत्तियों जैसे प्रोत्साहन दिये गए। बालिका शिक्षा पर बल देने के लिए उनको विशेष प्रोत्साहन दिए। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान राज्य में पढ़ने वाले समाज के आरक्षित एवं अन्य कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए प्रोत्साहन/वित्तीय सहायता हेतु 140.54 करोड़ रुपए खर्च किए गए।

राज्य सरकार ने भारत सरकार की सहायता से राज्य में बालिकाओं की शिक्षा में सुधार लाने के लिए तथा राष्ट्रीय साक्षरता मिशन को सफल बनाने की दिशा में साक्षरता परियोजनाओं को गति दी।

वर्ष 2010–2011 के दौरान श्रीमती गीता भुक्कल, शिक्षा मंत्री थी तथा श्री राव दान सिंह, मुख्य संसदीय सचिव उनके साथ सम्बद्ध थे। इस वर्ष के दौरान श्रीमती सुरीना राजन, आई0ए0एस0, वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, शिक्षा विभाग में कार्यरत रहीं। आयुक्त एवं महानिदेशक, माध्यमिक शिक्षा के पद पर 1 अप्रैल, 2010 से 23 अप्रैल, 2010 तक श्री अनिल कुमार, आई0ए0एस0, इनके बाद 28 अप्रैल, 2010 से श्री अशोक खेमका, आई0ए0एस0, इनके बाद 9 अगस्त, 2010 तक श्री मौहम्मद शाईन, आई0ए0एस0 तथा इनके बाद 31 मार्च, 2011 तक श्री विजेन्द्र कुमार, आई0ए0एस0 ने कार्य किया।

टी0सी0गुप्ता,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विद्यालय शिक्षा विभाग, चण्डीगढ़।

दिनांक 29.04.15.

Review of the Annual Administrative Report of the Secondary Education Department, Haryana for the Year 2010-2011

No. 1/23-2015 Stat.(2)

Ever since the inception of State of Haryana on 1st November, 1966, there has been rapid expansion in the field of education, both in terms of quality and quantity. This expansion continued during the year 2010-2011 also. The State has made a remarkable progress in the extension of educational facilities, especially in rural areas. Universalization of education and qualitative improvement in education at different levels were the priority areas of the Department during the period under report.

During 2010-2011, a total amount of Rs. 1866.81 crore was spent on Secondary Education. During the period under report, a total amount of Rs. 45.00 crore was provided as grant-in-aid to Non-Govt. Aided Schools in the State. 3542 High Schools & 3441 Senior Secondary Schools were functioning in the State during the year under report for dissemination of education. A total of 61781 teachers were teaching in various schools in the State and 7.45 lac students at High level, 6.82 lac students at Senior Secondary level were enrolled in the State.

Various incentives like free uniform, free stationery, free text books, stipend and scholarships were provided to the students belonging to scheduled castes and weaker sections of the society. Special emphasis was laid on imparting incentives to girl students. During the period under report, an amount of Rs. 140.54 crore was spent on these incentives / financial aid to students of reserved categories and other weaker sections of society studying in the State.

State Govt. has geared up Literacy projects to improve girl education and to make National Literacy Mission a success with the help of Govt. of India.

During the year 2010-2011, Smt. Geeta Bhukkal was the Education Minister and Sh. Rao Dan Singh, Chief Parliamentary Secretary was attached to the Education Minister. Smt. Surina Rajan, IAS held the office of Financial Commissioner & Principal Secretary to Govt. of Haryana, Education Department during the year. Sh. Anil Kumar, IAS held the office of Director General, Secondary Education from 1st April, 2010 to 23 April, 2010, Sh. Ashok Khemka, IAS held the office upto 28th April, 2010, Sh. Mohammad Shayin, IAS upto 9th August, 2010 and thereafter came Sh. Vijayendra Kumar, IAS who remained in the post upto 31st March, 2011.

T. C. GUPTA,
Principal Secretary to Government of Haryana,
School Education Department, Chandigarh.

The 29-04-15.

माध्यमिक शिक्षा विभाग, हरियाणा की वर्ष 2011–2012 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

क्रमांक 1/23–2015–आंकड़ा(2)

01 नवम्बर, 1966 को हरियाणा राज्य के अस्तित्व में आने के पश्चात् शिक्षा का तेज़ी से गुणात्मक एवं परिमाणात्मक विस्तार हुआ है। यह विस्तार वर्ष 2011–2012 में भी जारी रहा। राज्य ने शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार में विशेषतः ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। शिक्षा का सार्वभौमिकीकरण तथा विभिन्न स्तरों पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना, रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विभाग की गतिविधियों की प्राथमिकता वाले क्षेत्र थे।

वर्ष 2011–12 में माध्यमिक शिक्षा पर कुल 1868.55 करोड़ रुपए खर्च किए गए। रिपोर्टाधीन अवधि में राज्य में शिक्षा प्रदान करने के लिए 3555 उच्च विद्यालय तथा 3505 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अस्तित्व में थे। राज्य में कुल 69606 अध्यापक विभिन्न प्रकार के विद्यालयों में पढ़ा रहे थे और राज्य में उच्च स्तर पर 8.01 लाख तथा वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर 7.22 लाख विद्यार्थी दाखिल थे।

अनुसूचित जातियों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्गों के बच्चों, विशेषकर छात्राओं को निःशुल्क वर्दी, निःशुल्क लेखन सामग्री, निःशुल्क पाठय पुस्तकें, वृतिका तथा छात्रवृत्तियों जैसे प्रोत्साहन दिये गए। बालिका शिक्षा पर बल देने के लिए उनको विशेष प्रोत्साहन दिए गए। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान राज्य में पढ़ने वाले समाज के आरक्षित एवं अन्य कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए प्रोत्साहन/वित्तीय सहायता हेतु 167.67 करोड़ रुपए खर्च किए गए।

राज्य सरकार ने भारत सरकार की सहायता से राज्य में बालिकाओं की शिक्षा में सुधार लाने के लिए तथा राष्ट्रीय साक्षरता मिशन को सफल बनाने की दिशा में साक्षरता परियोजनाओं को गति दी।

वर्ष 2011–2012 के दौरान श्रीमती गीता भुक्कल, शिक्षा मंत्री थी तथा श्री राव दान सिंह, मुख्य संसदीय सचिव उनके साथ सम्बद्ध थे। इस वर्ष के दौरान श्रीमती सुरीना राजन, आई0ए0एस0, वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, शिक्षा विभाग में कार्यरत रहीं। आयुक्त एवं महानिदेशक, माध्यमिक शिक्षा के पद पर 1 अप्रैल, 2011 से 5 जनवरी, 2012 तक श्री विजेन्द्र कुमार, आई0ए0एस0 ने तथा इनके बाद 31 मार्च, 2012 तक श्री समीर पाल सरों, आई0ए0एस0 ने कार्य किया।

टी0सी0गुप्ता,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विद्यालय शिक्षा विभाग, चण्डीगढ़।

Review of the Annual Administrative Report of the Secondary Education Department, Haryana for the Year 2011-2012

No. 1/23-2015 Stat.(2)

Ever since the inception of State of Haryana on 1st November, 1966, there has been rapid expansion in the field of education, both in terms of quality and quantity. This expansion continued during the year 2011-2012 also. The State has made a remarkable progress in the extension of educational facilities, especially in rural areas. Universalization of education and qualitative improvement in education at different levels were the priority areas of the Department during the period under report.

During 2011-2012, a total amount of Rs. 1868-55 crore was spent on Secondary Education. 3555 High Schools & 3505 Senior Secondary Schools were functioning in the State during the year under report, for dissemination of education. A total of 69606 teachers were teaching in various schools in the State and 8-01 lac students at High level, 7-22 lac students at Senior Secondary level were enrolled in the State.

Various incentives like free uniform, free stationery, free text books, stipend and scholarships were provided to the students belonging to scheduled castes and weaker sections of the society. Special emphasis was laid on imparting incentives to girl students. During the period under report, an amount of Rs. 167.67 crore was spent on these incentives/ financial aid to students of reserved categories and other weaker sections of society studying in the State.

State Govt. has geared up Literacy projects to improve girl education and to make National Literacy Mission a success with the help of Govt. of India.

During the year 2011-2012, Smt. Geeta Bhukkal was the Education Minister and Shri Rao Dan Singh, Chief Parliamentary Secretary was attached to the Education Minister. Smt. Surina Rajan, IAS held the office of Financial Commissioner & Principal Secretary to Govt. of Haryana, Education Department during the year. Shri Vijayendra Kumar, IAS held the office of Director General, Secondary Education from 1st April, 2011 to 5th January, 2012 and thereafter came Shri Sameer Pal Srow, IAS who remained in the post upto 31st March, 2012.

T. C. GUPTA,
Principal Secretary to Government of Haryana,
School Education Department, Chandigarh.

माध्यमिक शिक्षा विभाग, हरियाणा की वर्ष 2012–2013 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

क्रमांक 1/23–2015–आंकड़ा(2)

01 नवम्बर, 1966 को हरियाणा राज्य के अस्तित्व में आने के पश्चात् शिक्षा का तेज़ी से गुणात्मक एवं परिमाणात्मक विस्तार हुआ है। यह विस्तार वर्ष 2012–2013 में भी जारी रहा। राज्य ने शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार में विशेषतः ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। शिक्षा का सार्वभौमिकीकरण तथा विभिन्न स्तरों पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना, रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विभाग की गतिविधियों की प्राथमिकता वाले क्षेत्र थे।

वर्ष 2012–13 में माध्यमिक शिक्षा पर कुल 1398.06 करोड़ रुपए खर्च किए गए। रिपोर्टाधीन अवधि में राज्य में शिक्षा प्रदान करने के लिए 3569 उच्च विद्यालय तथा 3769 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अस्तित्व में थे। राज्य में कुल 42524 अध्यापक राज्य में विभिन्न प्रकार के राजकीय विद्यालयों मे पढ़ा रहे थे। राज्य में उच्च स्तर पर 8.19 लाख तथा वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर 5.90 लाख विद्यार्थी दाखिल थे।

अनुसूचित जातियों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्गों के बच्चों, विशेषकर छात्राओं को निःशुल्क वर्दी, निःशुल्क लेखन सामग्री, निःशुल्क पाठय पुस्तकें, वृतिका तथा छात्रवृत्तियों जैसे प्रोत्साहन दिये गए। बालिका शिक्षा पर बल देने के लिए उनको

विशेष प्रोत्साहन दिए गए। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान राज्य में पढ़ने वाले समाज के आरक्षित एवं अन्य कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए प्रोत्साहन/वित्तीय सहायता हेतु 229.42 करोड़ रुपए खर्च किए गए।

राज्य सरकार ने भारत सरकार की सहायता से राज्य में बालिकाओं की शिक्षा में सुधार लाने के लिए तथा राष्ट्रीय साक्षरता मिशन को सफल बनाने की दिशा में साक्षरता परियोजनाओं को गति दी।

वर्ष 2012–13 के दौरान श्रीमती गीता भुक्कल, शिक्षा मन्त्री थी तथा श्री राव दान सिंह, मुख्य संसदीय सचिव उनके साथ सम्बद्ध थे। इस वर्ष के दौरान श्रीमती सुरीना राजन, आई0ए0एस0, प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, शिक्षा विभाग में कार्यरत रहीं। आयुक्त एवं महानिदेशक, माध्यमिक शिक्षा के पद पर 1 अप्रैल, 2012 से 22 अप्रैल, 2012 तक श्री समीर पाल सरों, आई.ए.एस. इनके बाद 1 अक्तूबर, 2012 तक श्री ए0 श्रीनिवास, आई.ए.एस. इनके बाद 13 फरवरी, 2013 तक श्री अरूण कुमार गुप्ता, आई.ए.एस. तथा इनके बाद 31 मार्च, 2013 तक श्री विकास यादव, आई.ए.एस. ने कार्य किया।

टी0 सी0 गुप्ता,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
दिनांक : 29.04.15. विद्यालय शिक्षा विभाग, चण्डीगढ़।

Review of the Annual Administrative Report of the Secondary Education Department, Haryana for the Year 2012-2013

No. 1/23-2015 Stat.(2)

Ever since the inception of State of Haryana on 1st November, 1966, there has been rapid expansion in the field of education, both in terms of quality and quantity. This expansion continued during the year 2012-2013 also. The State has made a remarkable progress in the extension of educational facilities, especially in rural areas. Universalization of education and qualitative improvement in education at different levels were the priority areas of the Department during the period under report.

During 2012-2013, a total amount of Rs. 1398-06 crore was spent on Secondary Education. 3569 High Schools & 3769 Senior Secondary Schools were functioning in the State during the year under report, for dissemination of education. A total of 42524 teachers were teaching in various Govt. schools in the State and 8.19 lac students at High level, 5-90 lac students at Senior Secondary level were enrolled in the State.

Various incentives like free uniform, free stationery, free text books, stipend and scholarships were provided to the students belonging to scheduled castes and weaker sections of the society. Special emphasis was laid on imparting incentives to girl students. During the period under report, an amount of Rs. 229.42 crore was spent on these incentives/ financial aid to students of reserved categories and other weaker sections of society studying in the State.

State Govt. has geared up Literacy projects to improve girl education and to make National Literacy Mission a success with the help of Govt. of India.

During the year 2012-2013, Smt. Geeta Bhukkal was the Education Minister and Sh. Rao Dan Singh, Chief Parliamentary Secretary was attached to the Education Minister. Smt. Surina Rajan, IAS held the office of Principal Secretary, School Education to Govt. of Haryana during the year. Sh. Sameer Pal Srow, IAS held the office of Director General, Secondary Education from 1st April, 2012 to 22 April, 2012 , Sh. A. Sreeniwas, IAS held the office upto 1st October, 2012, Sh. Arun Kumar Gupta, IAS upto 13th February, 2013 and thereafter came Sh. Vikas Yadav, IAS who remained in the post upto 31st March, 2013.

T. C. GUPTA,
Principal Secretary to Government of Haryana,
The 29-04-15. School Education Department, Chandigarh.

माध्यमिक शिक्षा विभाग, हरियाणा की वर्ष 2013–14 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

क्रमांक 1/23–2015–आंकड़ा(2)

01 नवम्बर, 1966 को हरियाणा राज्य के अस्तित्व में आने के पश्चात् शिक्षा का तेजी से गुणात्मक एवं परिमाणात्मक विस्तार हुआ है। यह विस्तार वर्ष 2013–2014 में भी जारी रहा। राज्य ने शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार में विशेषतः ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। शिक्षा का सार्वभौमिकीकरण तथा विभिन्न स्तरों पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना, रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विभाग की गतिविधियों की प्राथमिकता वाले क्षेत्र थे।

वर्ष 2013–14 में माध्यमिक शिक्षा पर कुल 1601.46 करोड़ रुपए खर्च किए गए। रिपोर्टाधीन अवधि में राज्य में शिक्षा प्रदान करने के लिए 3434 उच्च विद्यालय, 3936 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अस्तित्व में थे। राज्य में कुल 43154 अध्यापक राज्य में विभिन्न प्रकार के राजकीय विद्यालयों मे पढ़ा रहे थे। राज्य में उच्च स्तर पर 8.48 लाख तथा वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर 6.25 लाख विद्यार्थी दाखिल किए गए।

अनुसूचित जातियों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्गों के बच्चों, विशेषकर छात्राओं को निःशुल्क वर्दी, निःशुल्क लेखन सामग्री, निःशुल्क पाठय पुस्तकें, वृतिका तथा छात्रवृत्तियों जैसे प्रोत्साहन दिये गए। बालिका शिक्षा पर बल देने के लिए उनको विशेष प्रोत्साहन दिए गए। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान राज्य में पढ़ने वाले समाज के आरक्षित एवं अन्य कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए प्रोत्साहन/वित्तीय सहायता हेतु 255.49 करोड़ रुपए खर्च किए गए।

राज्य सरकार ने भारत सरकार की सहायता से राज्य में बालिकाओं की शिक्षा में सुधार लाने के लिए तथा राष्ट्रीय साक्षरता मिशन को सफल बनाने की दिशा में साक्षरता परियोजनाओं को गति दी।

वर्ष 2013–14 के दौरान श्रीमती गीता भुक्कल, शिक्षा मंत्री थी तथा उनके साथ श्री राव दान सिंह, मुख्य संसदीय सचिव सम्बद्ध थे। इस वर्ष के दौरान श्रीमती सुरीना राजन, आई0ए0एस0, प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, शिक्षा विभाग मे कार्यरत रहीं। आयुक्त एवं महानिदेशक, माध्यमिक शिक्षा के पद पर 1 अप्रैल, 2013 से 15 जुलाई, 2013 तक श्री विकास यादव, आई.ए.एस. रहे तथा इनके उपरान्त 31 मार्च, 2014 तक श्री चन्द्र शेखर, आई.ए.एस. ने कार्य किया।

टी0 सी0 गुप्ता,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
दिनांक 23.05.15. विद्यालय शिक्षा विभाग, चण्डीगढ़।

Review of the Annual Administrative Report of the Secondary Education Department, Haryana for the Year 2013-14

No. 1/23-2015 Stat.(2)

Ever since the inception of State of Haryana on 1st November, 1966, there has been rapid expansion in the field of education, both in terms of quality and quantity. This expansion continued during the year 2013-2014 also. The State has made a remarkable progress in the extension of educational facilities, especially in rural areas. Universalization of education and qualitative improvement in education at different levels were the priority areas of the Department during the period under report.

During 2013-2014, a total amount of Rs. 1601.46 crore was spent on Secondary Education. 3434 High Schools & 3936 Senior Secondary Schools were functioning in the State during the year under report, for dissemination of education. A total of 43154 teachers were teaching in various Govt. schools in the State and 8.48 lac students at High level, 6.25 lac students at Senior Secondary level were enrolled in the State.

Various incentives like free uniform, free stationery, free text books, stipend and scholarships were provided to the students belonging to scheduled castes and weaker sections of the society. Special emphasis was laid on imparting incentives to girl students. During the period under report, an amount of Rs. 255.49 crore was spent on these incentives/financial aid to students of reserved categories and other weaker sections of society studying in the State.

State Govt. has geared up Literacy projects to improve girl education and to make National Literacy Mission a success with the help of Govt. of India.

During the year 2013-2014, Smt. Geeta Bhukkal was the Education Minister and Sh. Rao Dan Singh, Chief Parliamentary Secretary was attached to the Education Minister. Smt. Surina Rajan, IAS held the office of Principal Secretary, School Education to Govt. of Haryana during the year. Sh. Vikas Yadav, IAS held the office of Director General, Secondary Education from 1st April, 2013 to 15 July, 2013, and thereafter came Sh. Chander Shekher, IAS who remained in the post upto 31st March, 2014.

T. C. GUPTA,
Principal Secretary to Government of Haryana,
The 23-05-15. School Education Department, Chandigarh.

उद्यान विभाग, हरियाणा की वर्ष 2012–13 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

क्रमांक 1916–कृषि II (5)–2015

1. बागवानी का मनुष्य के भोजन में पौष्टिकता व आर्थिक स्तर को ऊंचा उठाने में महत्वपूर्ण स्थान है। इसके अतिरिक्त इसमें ताजे फलों/सब्जियों की स्थिति तथा निर्मित उत्पादकों के रूप में निर्यात के बहुत अवसर प्रदत है। बागवानी क्षेत्र का बहुत महत्व है तथा एक स्थाई आर्थिक गतिविधि बन गया है। विभाग के भरसक प्रयत्नों के फलस्वरूप फल, सब्जियों, फूल तथा खुम्ब के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

2. वर्ष 2011–12 में फलों के अन्तर्गत 47,036 हैक्टेयर क्षेत्र था जो कि वर्ष 2012–13 में बढ़कर 49,536 हैक्टेयर हो गया। इसी प्रकार वर्ष 2011–12 के दौरान फलों का उत्पादन 4,76,570 मी.टन था जो कि वर्ष 2012–13 मे 5,16,070 मी.टन हो गया है।

3. सब्जी उत्पादन क्षेत्र में हरियाणा देश का एक महत्वपूर्ण राज्य है, क्योंकि यह दिल्ली के निकट स्थित है। वर्ष 2012–13 के दौरान सब्जियों के अन्तर्गत 3,60,339 हैक्टेयर क्षेत्र हो गया जो कि वर्ष 2011–12 में 3,56,769 हैक्टेयर था। वर्ष 2012–13 के दौरान सब्जियों का उत्पादन 50,11,311 मी.टन हुआ जो वर्ष 2011–12 में 50,68,426 मी.टन था।

4. हरियाणा राज्य में वर्ष 2011–12 में मसालों के अन्तर्गत 18,092 हैक्टेयर क्षेत्र था जो कि वर्ष 2012–13 में 18,454 हो गया है। वर्ष 2011–12 में मसालों का उत्पादन 93,585 मी.टन था जो कि वर्ष 2012–13 में 94,800 मी.टन हो गया है।

5. हरियाणा राज्य खुम्बी के उत्पादन की खेती में एक अग्रणीय राज्य है। वर्ष 2011–12 में 7733 मी.टन खुम्ब का उत्पादन हुआ था, जबकि वर्ष 2012–13 में यह बढ़कर 8,620 मी.टन खुम्ब का उत्पादन हो गया है।

6. फूलों की खेती के फलस्वरूप किसानों की आय में वृद्धि हुई है। जिसकी देश व विदेशों में भी बहुत मांग बढ़ रही है। वर्ष 2011–12 में फूलों के अन्तर्गत 6,340 हैक्टेयर क्षेत्र था जोकि वर्ष 2012–13 में बढ़कर 6,470 हैक्टेयर हुआ है।

7. टपका सिंचाई प्रणाली वर्ष 2012–13 तक 31,786 हैक्टेयर में लगाई गई। इस विधि को अपनाने वाले किसानों को 90 प्रतिशत केन्द्रीय एवं राज्य सहायता उपलब्ध कराई गई।

8. वर्ष 2012–13 उद्यान फसलों की प्रगति के लिए कुल मिलाकर बहुत उपयुक्त रहा।

चण्डीगढ़ :
दिनांक 12-06-2015

धनपत सिंह,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि विभाग।

Review of Annual Administrative Report of Horticulture Department, Haryana for the Year 2012-13

No. 1916-Agri. II (5)-2015.

1. Horticultural crops are high value crops providing much needed nutritious food to human beings. These commodities have great potential for export as fresh and value added products. Horticulture has gained importance as a separate, viable economic activity. With the sustained efforts of the Department, considerable progress has been made in fruits, vegetables, flowers and mushroom cultivation.

2. During the year 2011-12, total area under fruit cultivation was 47,036 ha. which rose to 49,536 ha. by the end of 2012-13. Similarly during 2011-12 the production of fruits was 4,76,570 M.T., which arrived to 5,16,070 M.T. by the end of 2012-13.

3. The State being in close proximity of Delhi is ideally suited for vegetable cultivation. During the year 2012-13 the area under vegetables rose to 3,60,339 ha. from 3,56,769 ha. in 2011-12. During the year 2012-13 production of vegetables arrived to 50,11,311 M.T. as against the production of 50,68,426 M.T. during 2011-12.

4. During the year 2011-12, total area under spices was 18,092 ha. which increased to 18,454 ha. during the year 2012-13. During the year 2011-12 production of spices was 93,585 M.T. which rose to 94,800 M.T. in the year 2012-13.

5. Haryana State is one of the leading States in mushroom production. During the year 2011-12, 7,733 M.T. of mushroom was produced, which increased to 8,620 M.T. during 2012-13.

6. Cultivation of flowers amongst the farmers has become a remunerative venture, as there is a good demand in the national and international markets. During the year 2011-12, the area under flowers was 6,340 ha. which increased to 6,470 ha. during the year 2012-13.

7. Upto the year 2011-12, 31,786 ha. area has been covered under Micro Irrigation System and the farmers were provided central assistance @ 90% for installation of Micro Irrigation System.

8. The year 2012-13 was overall favourable for various horticultural crops.

Chandigarh :
The 12-06-2015.

DHANPAT SINGH,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Agriculture Department.

उद्यान विभाग, हरियाणा की वर्ष 2013–14 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

क्रमांक 1915–कृषि II (5) –2015

1. बागवानी का मनुष्य के भोजन में पौष्टिकता व आर्थिक स्तर को ऊंचा उठाने में महत्वपूर्ण स्थान है। इसके अतिरिक्त इसमें ताजे फलों/सब्जियों की स्थिति तथा निर्मित उत्पादकों के रूप में निर्यात के बहुत अवसर प्रदत है। बागवानी क्षेत्र का बहुत महत्व है तथा एक स्थाई आर्थिक गतिविधि बन गया है। विभाग के भरसक प्रयत्नों के फलस्वरूप फल, सब्जियों, फूल तथा खुम्ब के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

2. वर्ष 2012–13 में फलों के अन्तर्गत 49,536 हैक्टेयर क्षेत्र था जो कि वर्ष 2013–14 में बढ़कर 50,595 हैक्टेयर हो गया। इसी प्रकार वर्ष 2012–13 के दौरान फलों का उत्पादन 5,16,070 मी.टन था जो कि वर्ष 2013–14 मे 5,54,900 मी.टन हो गया है।

3. सब्जी उत्पादन क्षेत्र में, हरियाणा, देश का एक महत्वपूर्ण राज्य है, क्योंकि यह दिल्ली के निकट स्थित है। वर्ष 2013–14 के दौरान सब्जियों के अन्तर्गत 3,73,170 हैक्टेयर क्षेत्र हो गया जो कि वर्ष 2012–13 में, 3,60,339 हैक्टेयर था। वर्ष 2013–14 के दौरान सब्जियों का उत्पादन 55,65,900 मी.टन हुआ जो वर्ष 2012–13 में 50,11,311 मी.टन था।

4. हरियाणा राज्य में वर्ष 2012–13 में मसालों के अन्तर्गत 18,454 हैक्टेयर क्षेत्र था जो कि वर्ष 2013–14 में 18,600 हो गया है। वर्ष 2012–13 में मसालों का उत्पादन 94,800 मी.टन था जो कि वर्ष 2013–14 में 97,640 मी.टन हो गया है।

5. हरियाणा राज्य खुम्बी के उत्पादन की खेती में एक अग्रणीय राज्य है। वर्ष 2012–13 में 8,620 मी.टन खुम्ब का उत्पादन हुआ था, जबकि वर्ष 2013–14 में यह बढ़कर 9,990 मी.टन हो गया है।

6. फूलों की खेती के फलस्वरूप किसानों की आय में वृद्धि हुई है। जिसकी देश व विदेशों में भी बहुत मांग बढ़ रही है। वर्ष 2012–13 में फूलों के अन्तर्गत 6470 हैक्टेयर क्षेत्र था तथा वर्ष 2013–14 में यह 6480 हैक्टेयर था।

7. सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली वर्ष 2013–14 तक 37079 हैक्टेयर में लगाई गई इस विधि को अपनाने वाले किसानों को 75–85 प्रतिशत केन्द्रीय एवं राज्य सहायता उपलब्ध कराई गई।

8. वर्ष 2013–14 उद्यान फसलों की प्रगति के लिए कुल मिलाकर बहुत उपयुक्त रहा।

चण्डीगढ़ :
दिनांक 12-06-2015.

धनपत सिंह,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि विभाग।

Review of Annual Administrative Report of Horticulture Department, Haryana For the Year 2013-14

No. 1915-Agri. II (5)-2015.

1. Horticultural crops are high value crops providing much needed nutritious food to human beings. These commodities have great potential for export as fresh and value added products. Horticulture has gained importance as a separate, viable economic activity. With the sustained efforts of the Department, considerable progress has been made in fruits, vegetables, flowers and mushroom cultivation.

2. During the year 2012-13, total area under fruit cultivation was 49,536 ha. which rose to 50,595 ha. by the end of 2013-14. Similarly during 2012-13 the production of fruits was 5,16,070 M.T., which arrived to 5,54,900 M.T. by the end of 2013-14.

3. The State being in close proximity of Delhi is ideally suited for vegetable cultivation. During the year 2013-14 the area under vegetables rose to 3,73,170 ha. from 3,60,339 ha. in 2012-13. During the year 2013-14 production of vegetables arrived to 55,65,900 M.T. as against the production of 50,11,311 M.T. during 2012-13.

4. During the year 2012-13, total area under spices was 18,454 ha. which increased to 18,600 ha. during the year 2013-14. During the year 2012-13 production of spices was 94,800 M.T. which rose to 97,640 M.T. in the year 2013-14.

5. Haryana State is one of the leading states in mushroom production. During the year 2012-13, 8,620 M.T. of mushroom was produced, which increased to 9,990 M.T. during 2013-14.

6. Cultivation of flowers amongst the farmers has become a remunerative venture, as there is a good demand in the National and International markets. During the year 2012-13, the area under flowers was 6470 ha. which increased to 6480 ha. during the year 2013-14.

7. Upto the year 2013-14, 37079 ha. area has been covered under Micro Irrigation System and the farmers were provided central assistance @ 75-85% for installation of Micro Irrigation System during the year 2013-14.

8. The year 2013-14 was overall favourable for various horticultural crops.

Chandigarh :
The 12-06-2015.

DHANPAT SINGH,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Agriculture Department.

53472—C.S.—H.G.P., Chd.